गंगासागर मेला

[स्रोत: द हिंदू]

पश्चिम बंगाल में वार्षिक [गंगासागर मेला] आयोजित किया जा रहा है, तथा राज्य सरकार ने इस आयोजन के अनुभव को बढ़ाने के लिये कई पहल शुरू की हैं, जिनमें शामिल हैं:

- **बंधन पहल:** तीर्थयात्रियों को **तीन भाषाओं** में प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।
- **ई-अनुसंधान: मेला सुविधाओं तक पहुँच** की प्रणाली।
- **ई-परिचय:** लोगों को लापता होने से रोकने के लिये **QR कोड वाले पहचान बैंड।**

इसके अतिरिक्त, राज्य कई वर्षों से गंगासागर मेले को **"राष्ट्रीय मेला"** का दर्जा प्रदान करने पर ज़ोर दे रहा है।

गंगासागर:

- **गंगासागर मेला** पश्चिम बंगाल के सागर द्वीप पर गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर आयोजित एक वार्षिक धार्मिक उत्सव है।
- गंगोत्री से निकलकर **गंगा नदी बंगाल की खाड़ी** में मिल जाती है ।
- [मकर संक्रांति] के साथ मनाए जाने वाले इस त्यौहार में मोक्ष और आध्यात्मिक उत्थान की प्राप्ति के लिये गंगा में पवित्र स्नान करना, सूर्य देव को **अर्घ्य देना तथा दीपदान** करना जैसे अनुष्ठान शामिल हैं।
- इसे **कुंभ मेले के बाद भारत में दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक** आयोजन माना जाता है।
- इस मेले का ऐतिहासिक उल्लेख **महाभारत के वन पर्व** और **रघुवंश (कालिदास द्वारा)** में मिलता है, जिसमें तीर्थयात्रा के **1500-2000 ईसा पूर्व के प्रमाण मिलते** हैं, तथा यह ऋषि **कपिलमुनि** एवं **पाल वंश के राजा देवपाल** से संबंधित है।

//

और पढ़ें: [बांग्ला को शास्त्रीय भाषा तथा गंगासागर मेले को राष्ट्रीय मेले का दर्जा देने की मांग]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gangasagar-mela-1